नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज़ में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज़ के वर्ष 2022 के कनवोकेशन में उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

राजस्थान की धरती जो शौर्य की धरती है, जो वीरता की धरती है, जो भक्ति की धरती है, जहां की संस्कृति 'पधारो म्हारे देश की संस्कृति है, उस राजस्थान की धरती पर मैं आप सबका अभिनंदन करता हूँ।

मैं भी राजस्थान का प्रतिनिधित्व करता हूँ। राजस्थान का कोटा-बूंदी संसदीय क्षेत्र मेरी लोक सभा का संसदीय क्षेत्र है। राज्य की विधान सभा में भी मुझे तीन बार रहने का मौका मिला है। मैं यह कह सकता हूं कि राजस्थान ने मेडिकल साइंस और विज्ञान में एक नई प्रगति की है। चाहे निजी क्षेत्र हो, चाहे सरकारी क्षेत्र हो, इसने अनेक क्षेत्रों में व्यापक उपलब्धि प्राप्त की है। इस एकेडमी के अध्यक्ष डॉक्टर शिव सरीन जी हैं, जो राजस्थान से हैं, एसएमएस से पढ़े हैं, वे आज पूरे देश के अंदर चिकित्सा के क्षेत्र में एक अथॉरिटी हैं यानी गार्जियन हैं। मुझे इनका मार्गदर्शन मिलता रहता है।

मुझे प्रसन्नता होती है कि ऐसे कई प्रोफेसर्स हैं, जिन्होंने रिसर्च किया है, इनोवेशन किया है। वे मेडिकल साइंस के बदलते परिप्रेक्ष्य में नए परिवर्तन युग के साथ चले हैं। यहां पर जो हमारे पुराने प्रोफेसर्स हैं, उनका चिकित्सा के क्षेत्र में एक लंबा अनुभव रहा है।

उन्होंने उस समय चिकित्सा के क्षेत्र में काम किया, जब संसाधनों का अभाव था। रिसर्च और इनोवेशन का अभाव था, टेक्नोलॉजी का भी जमाना नहीं था । एक समर्पित मानवीय सेवा के रूप में उन्होंने अपने जीवन को समर्पित किया है।

मुझे खुशी है कि इस एकेडमी की शुरुआत सन् 1961 में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जी ने की थी। भारत के राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी सन् 1963 में इस एकेडमी के कनवोकेशन में आए थे। उसके बाद कई महामहिम राष्ट्रपति आए, प्रधानमंत्री आए, पूर्व राष्ट्रपति और हमारे देश के एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर अब्दुल कलाम इसकेसदस्य भी रहे हैं। इस एकेडमी की एक व्यापक प्रतिष्ठा है।

62 सालों के बाद भी इस प्रतिष्ठा की वजह से आज मैं नए एसोसिएट फेलोज को बधाई देता हूं, जो इस एकेडमी के सदस्य बने हैं। उस समय जब यह विचार आया था कि देश के जो सर्वश्रेष्ठ डाक्टर्स हैं, जिन्होंने मेडिकल साइंस के अंदर सर्वश्रेष्ठ काम किया है, उनकी एक एकेडमी बननी चाहिए। डॉक्टर शिव सरीन जी बता रहे थे कि दुनिया में हर जगह एक ऐसी एकेडमी है।

डिजिटल का एक नया युग शुरू हो चुका है, तकनीकी विज्ञान में हम आगे बढ़ रहे हैं, रिसर्च -इनोवेशन्स के अंदर भी हमारीसंस्थाएं खड़ी हो रही हैं। दुनिया के अदंर आने वाले समय मेंहम विकसित राष्ट्रों से विज्ञान, टेक्नोलॉजी और रिसर्च के अंदर प्रतिस्पर्धा कर सकें, क्योंकि हमारी बौद्धिक क्षमता, कड़ी मेहनत और हमारे संस्कार ऐसे हैं।

बदलती परिस्थितियों के अंदर हमने उन विश्वविद्यालयों को रिसर्च और इनोवेशन के सेंटर्स नहीं बनाए, जबकि दुनिया के कई देशों ने रिसर्च और इनोवेशन के सेंटर्स बना दिये।उनकेकारणजो कुछ भी नई बीमारियाँ और उनके वैरियेण्ट्स आते थे,उन पर उस विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थी शोध करते थे, रिसर्च करते थे और दुनिया को अपने बनाए पेपर्स प्रजेंट करते थे।

माननीय प्रधानमंत्री जी, जो हमेशा नया सोचते हैं, नए विचार करते हैं, जिनका एक नया विज़न है भारत को उस उंचाई पर पहुंचाने के लिए, उन्होंने देश के अंदर हमारे अजय सूद जी जैसे जितने अच्छे वैज्ञानिक हैं, उनको सलाहकार नियुक्त किया है। और भीअच्छे सलाहकार हैं। बेस्ट डाक्टरों की टीम बनाई है।

जिस क्षेत्र में जिन्होंने बेस्ट काम किया है, सर्वश्रेष्ठ काम किया है, वह सारी टीम बैठे, चर्चा करे, संवाद करे, दुनिया में जो कुछ भी परिवर्तन हो रहे हैं, उसे हम भारत के अंदर किस तरीके से कर सकते हैं;इस विचार से काम करे।

जब चुनौतियां आएंगी, तब समाधान होगा। इसलिए डॉक्टर सरीन साहब ने कहा कि नए जवानों को हमेशा चुनौतियों से लड़ना चाहिए, आपदा से लड़ना चाहिए। हमारी बौद्धिक क्षमता पर हमें गौरव होना चाहिए कि दुनिया के अंदर जो कुछ भी नया वैरिएंट आएगा, नई गंभीर समस्या आएगी, उस पर रिसर्च हम करेंगे। हमने यह करके भी दिखाया है।

आने वाले समय में भारत मेडिकल साइंस के अंदर नेतृत्व करे, यह हमारे नौजवानों की क्षमता है और इस क्षमता पर हमें भरोसा होना चाहिए। आपके पास

बड़े वरिष्ठ प्रोफसर्स हैं, जिन्होंने अपने-अपने सेक्टर्स में काम किया है। यहां कितने डॉक्टर्स बैठे हैं, जिन्होंने कई मरीजों को स्वस्थ किया है। मरीज और डॉक्टर का भरोसा होता है। वह केवल मरीज से, उसकी बीमारी से नहीं जुड़ते, उसकी संवेदना के साथ जुड़ते हैं, उसके जीवन के साथ जुड़ते हैं और उनके जीवन के साथ जुड़ते हुए, उसको किस तरीके से उसमें कॉन्फिडेंसलेवलडेवलप हो, इसके लिए काम करते हैं।

जितना पैसा बीमारी के बाद रिसर्च और इनोवेशन पर खर्च होता था,उसमें सरकार ने भी अब दिशा परिवर्तन किया है। अब बीमारी होने के कारणों पर भी रिसर्च-इनोवेशन किया जा रहा है। इस दिशा में हम परिवर्तन कीओर बढ़ रहे हैं। अगर हम बीमारी होने के कारणों को ठीक से समझ लेंगे, तो बीमार होने से बच जाएंगे और इस तरह से ज्यादा बेहतर, स्वस्थ भारत हम बना पाएंगे।

आप सब पर यह जिम्मेदारी है कि दूरदराज गांवों के अंदर बैठे व्यक्ति को भी हम स्वस्थ रख सकें। इस डिजिटल युग में हमारे ज्ञान और अनुभव का लाभ दूरदराज़ बैठे व्यक्ति को भी मिले, जो बीमारी से अनजान है या बीमारी को जानते हुए भी धन के अभाव में है।

अपनी जनता को स्वस्थ रखना जन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उसके लिए वे चिकित्सकों से सम्पर्क करें, समय समय पर अपने क्षेत्र में होने वाली बीमारियों की उनको जानकारी हो और उन चिकित्सकों के साथ मिलकर, परामर्श करें कि उस बीमारी को रोकने के लिए क्या इंतजाम किए जाएं।

हमारी यह एकेडमी जिसमें, अलग-अलग प्रोफेसर्स अपने-अपने क्षेत्र में एक्सपर्ट्स हैं, जिन्होंने विज्ञान, टेक्नोलॉजी और नई साइंस के अंदर नया डेवलपमेंट किया है, मैं चाहूंगा कि हम सब लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़ें और हर लोकतांत्रिक संस्था के जनप्रतिनिधियों और डाक्टरों का एक संबंध रहे, ताकि उनके अपने क्षेत्र की जनता को स्वस्थ रखने के लिए उनका प्रयास रहे और आपका मार्गदर्शन रहे।

इस तरह से हम स्वस्थ भारत बना सकते हैं। हम सब आज यहां इसलिए आए हैं, हमारा यह संकल्प है कि हम अपने देश को स्वस्थ रख सकें।

मुझे आशा है कि यह एकेडमी जो चर्चा – संवाद करेगी, उससे बेहतर परिणाम निकलेंगे और जैसा आप लोगों ने तय किया है कि हम 24 टास्कफोर्स पर अलग अलगग्रुप्स बनाकर होनेवाली बीमारियों के कारणों और बीमारी के बाद हमने जो भी रिसर्च और इनोवेशन की है, दुनिया में जो भीरिसर्च और इनोवेशन हुए हैं ,उससे बेहतर इलाज कर सकें, क्योंकि भारत वर्ल्ड का ऐसा डेस्टिनेशन है, जहां सस्ता और सुलभ इलाज होता है, बेहतरीन इलाज होता है। दुनिया के बड़े से बड़े देश का व्यक्ति भी भारत में इलाज कराने आता है।

मुझे आशा है कि जिन उद्देश्यों के लिए यह एकेडमी बनाई गई थी, उन उद्देश्यों को हम पूरा करेंगे।

अब हमारे पास संसाधनों की कमी नहीं है, हमारी संस्थाएं भी खड़ी हो चुकी हैं, सभी संस्थाएं आपस में समन्वय करके, दुनिया में किस तरीके से एक टास्कफोर्स बनाकर, बेहतरीन तरीके से काम कर सकें, यह हमें देखना है।

मैं इस मौके पर सभी लोगों, जिनको उपाधियां मिली हैं, उनकोबधाई देता हूं और आशा करता हूं कि वे नए संकल्प से, नए आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे। हर चुनौती का समाधान हमारे पास है, हम चुनौतियों का समाधान करेंगे, यह हमारा संकल्प है।